Your imagination, we Print...
JGP
JAY graphics & printers
COMMERCIAL PRINTERS
C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

पाटनगर उदय

GANDHINAGAR

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो. : 9426963888

● वर्ष : 10 ● अंक : 186 ● तारीख : 13-04-2026, MONDAY ● पेज : 4 ● मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये
सम्पर्क करे :- गांधीनगर कार्यालय
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.

अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेल्वे क्रांसिग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.
मोबाईल नं. : 93288 95485
email:- patnagaruday@gmail.com

● कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या ● Published at I-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUJ) ● ई-मेईल : patnagaruday@gmail.com

सिलीगुड़ी की जनसभा उनकी नींद उड़ा देगी

TMC ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए :अब 15 साल का हिसाब देना होगा : पीएम मोदी

»नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि TMC ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए, लेकिन विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने TMC के शासन काल में बंगाल की बर्बादी देखी है। अब उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा।

उन्होंने कहा कि बंगाल से TMC का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा TMC की नींद उड़ा देगी।

PM का आज पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने सिलीगुड़ी में जनसभा की। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे।

PM मोदी ने CAA (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का भी जिक्र किया। उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि TMC की सरकार निर्मम है, लेकिन हमने CAA की मदद से आपको वोटिंग की गारंटी दी है। दार्जिलिंग समेत उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा चाय उत्पादक क्षेत्र है। आपकी चाय का स्वाद मुझसे बेहतर कौन जान सकता है, लेकिन TMC सरकार चाय बागानों को भी नष्ट कर रही है। देश में एक 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को बंद करने की धमकी दी है।

असम आपके पड़ोस में है। वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम किया गया है। श्रमिकों को भूमि पट्टे दिए जा रहे हैं। बंगाल में भी श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे।

नॉर्थ बंगाल में TMC की राजनीति हमेशा डर पैदा करने की रही है। लोगों को भयभीत रखना और उनकी उपेक्षा करना यहां आम बात है। यहां

राजनीतिक हिंसा होती है, लोगों को डराया-धमकाया जाता है। नेताओं की हत्या तक करवाई जाती है। दार्जिलिंग की सभी 5 सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। जिले में 66% हिंदू और 24% बौद्ध आबादी है। पहाड़ों पर गोरखा पहचान की राजनीति चलती है, जबकि सिलीगुड़ी जैसे मैदानी इलाकों में शहरी मुद्दे और व्यापार मुख्य हैं।

वहीं, जलपाईगुड़ी की 7 में से 4 सीटों पर TMC और 3 पर BJP के विधायक हैं। राजबंशी और ST समुदाय यहां किंगमेकर रहे हैं। जिले में 82% हिंदू, 13% मुस्लिम और 3% ईसाई आबादी है। आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के चेयरमैन हुमायूं कबीर ने वायरल वीडियो पर कहा कि स्टिंग में दिखाया गया वीडियो उनका है, लेकिन AI से ऑडियो बदला गया है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति पत्रकार बनकर आया था, उसी ने रिकॉर्ड किया। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के कुछ लोग टीएमसी से मिले हैं और पैसों की डील कर रहे हैं। इसलिए वीडियो के बाद ओवैसी ने कुछ नहीं कहा और समर्थन वापस ले लिया। इसकी जानकारी मुझे पत्रकारों से मिली। अब हम खुद किसी पार्टी के पास नहीं जाएंगे, जरूरत पड़ी तो जो समर्थन मांगेगा उसे देंगे। मैं बाबरी मस्जिद कमेटी से भी हट गया हूं। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी को कभी किसी पार्टी से, कभी भाजपा और कभी टीएमसी से जोड़ दिया जाता है। वे अपना काम करते रहेंगे और बंगाल में मुस्लिम समुदाय की निष्ठा पर सवाल उठाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ओवैसी ने कहा कि पिछले 50-60 साल से राज्य में धर्मनिरपेक्ष सरकारें रही हैं, लेकिन इसके बावजूद मुस्लिम समुदाय की स्थिति खराब है। सरकारी आंकड़े भी बताते हैं कि शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर हालात कमजोर हैं। तमिलनाडु के रामनाथपुरम में रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि तमिलनाडु समेत जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां NDA की लहर है। गठबंधन तमिलनाडु में सरकार बनाएगा।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 57 दिन चलेगी :28 अगस्त को खत्म होगी

15 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे

»श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को बताया कि इस साल यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी।

57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से पहला जत्था रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। LG सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र वाले यह यात्रा कर सकते हैं। गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर की जाएगी। यात्रा के लिए अनंतनाग से पारंपरिक 48 किमी लंबा नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबा बालटाल रूट खुला रहेगा। LG सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए

रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए यस बैंक, ICICI बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक की ब्रांचेस में यात्रा के रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध रहेंगे। मनोज सिन्हा के मुताबिक पिछले सालों की तुलना में व्यवस्थाओं में 25% की वृद्धि की गई है। ट्रैकिंग और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए RFID कार्ड की शुरुआत की गई है। तीर्थयात्रियों के लिए ग्रुप एक्सीडेंटल इंश्योरेंस कवर को दोगुना करके 5 लाख से 10 लाख कर दिया गया है। यात्रा के दौरान इस्तेमाल होने वाले टट्टुओं (पोनीज) की मौत होने पर 50,000 का मुआवजा दिया जाएगा। पहलगाम रूटः इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन लगते हैं, लेकिन ये रास्ता आसान है। यात्रा में खड़ी चढ़ाई नहीं है।

पश्चिम बंगाल में SIR- सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई:वोटर लिस्ट से 91 लाख नाम कटे थे

»नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट सोमवार को SIR पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। 10 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह मतदाता सूची फ्रीज होने के खिलाफ नई याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करेगा।

इस दौरान सुप्रीम कोर्ट मालदा जिले में SIR प्रक्रिया के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामले में भी सुनवाई करेगा। चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को बंगाल के लिए SIR की सूची जारी की थी। इसके बाद 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे।

पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं। चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए। बांग्लादेश सीमा से लगे जिलों में भी बड़े स्तर पर नाम हटे। नॉर्थ 24 परगना में 5.91 लाख में से 3.25 लाख नाम हटे। वहीं, 8.28 लाख में से 2.39 लाख नाम हटे। 8 अप्रैल को सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में TMC का प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा था। लेकिन बैठक के बाद डेरेक ने कहा कि हमने SIR के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन ने CEC को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में फाइनल वोटर लिस्ट जारी की गई। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में कुल 6.08 करोड़ नाम कम हुए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को SIR शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाता करीब 51 करोड़ थे। फाइनल लिस्ट के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई। SIR के दूसरे फेज में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश की गई है।

कांग्रेस बोली-सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती

जयराम रमेश ने कहा- महिला आरक्षण में बदलाव से देश को गुमराह किया जा रहा

»नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। साथ ही महिला आरक्षण कानून में बदलाव के जरिए देश को गुमराह कर रही है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- सरकार अनुच्छेद 334-A में संशोधन की बात कर रही है। यह तर्क दे रही है कि जाति जनगणना के नतीजे आने में समय लगेगा। लेकिन बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने 6 महीने से कम समय में जाति सर्वे पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि ये सरकार का छिपा हुई एजेंडा है। सरकार का असल मकसद जाति जनगणना नहीं कराना है। अनुच्छेद 334-A में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने को जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया है। सरकार अब इसे अलग करने की कोशिश कर रही है, ताकि इसे जल्द लागू किया जा सके। 20 जुलाई 2021 को सरकार ने लोकसभा में बताया था कि SC/ST के अलावा

जातिवार जनगणना नहीं कराई जाएगी। 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में भी यही रुख रखा गया था। 28 अप्रैल 2024 को एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने जाति जनगणना के समर्थन को अर्बन नक्सली सोच बताया था। इसके बाद 30 अप्रैल 2025 को सरकार ने अगली जनगणना में जाति गणना शामिल करने की घोषणा की 30 मार्च 2026 को जनगणना आयुक्त ने कहा था कि 2027 की जनगणना के कई आंकड़े उसी साल जारी हो जाएंगे, क्योंकि पूरी प्रक्रिया डिजिटल है। इसके बावजूद अब नतीजों में देरी की बात कही जा रही है। सरकार अब उस प्रावधान में बदलाव करना चाहती है, जिसे संसद ने सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित किया था। जयराम रमेश का बयान ऐसे समय आया है, जब 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र प्रस्तावित है। इसमें महिला आरक्षण कानून लागू करने और लोकसभा सीटें बढ़ाने से जुड़े बिल लाए जा सकते हैं। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

भागवत बोले- हिंदू समाज में एकता की कमी :ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए RSS बनाया था

»निजामाबाद

राष्ट्रीय स्वयं सेवक (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से RSS की स्थापना की थी।

उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था।

भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी एक कमी थी।

भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था। हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। RSS की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं।

हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छा इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

RSS की स्थापना किसी के खिलाफ नहीं हुई थी। इसे किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया था।

जैसा हेडगेवार ने सोचा था, उसी दिशा में काम करने वाले कार्यकर्ता आज सक्रिय हैं और समाज को मजबूत बनाने में लगे हैं। कंडाकुर्थी में बना स्फूर्ति केंद्र देश के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा देगा। मोहन भागवत ने कहा कि RSS का काम बहुत तेजी से बढ़ रहा है और लोगों की उम्मीदें भी बढ़ रही हैं, इसलिए अब काम को अलग-अलग हिस्सों में बांटने विकेंद्रीकरण की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों को मजबूत बनाने और काम बेहतर करने के लिए संगठन में बदलाव किए गए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि यदि संघ उनसे पद छोड़ने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है।

राजस्थान-MP-UP समेत 16 राज्यों में आज से बढ़ेगी गर्मी :मनाली में बर्फबारी

पारा माइनस 7 डिग्री पहुंचा; जम्मू में बवंडर उठा

»नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ

देशभर में गर्मी बढ़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, यूपी-एमपी, दिल्ली, गुजरात समेत देश के 16 राज्यों में इस हफ्ते पारा 40C तक पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़, ओडिशा में 2 दिन बाद लू चलने की आशंका है।

हालांकि, रविवार को केरल, कर्नाटक, सिक्किम, बंगाल, जम्मू-कश्मीर, असम, मेघालय, अरुणाचल, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड में बारिश का अलर्ट है।

शनिवार शाम को अटल टनल और मनाली के आसपास के इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई। शनिवार रात मनाली में तापमान माइनस 7C तक गिर गया। इधर, जम्मू के अखनूर एक बवंडर देखा गया। यह दुर्लभ घटना एक खुले मैदान में लगभग 10 मिनट तक चली। किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

13 अप्रैलः उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और हिमाचल में तापमान बढ़ेगा। बिहार में भी गर्मी बढ़ी रहेगी, जबकि छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हीटवेव चलने की संभावना है। ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ और गर्म रहेगा।

14 अप्रैलः उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत यानी दिल्ली और मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी रहेगी, तापमान 38 से 42C तक जा सकता है। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और तूफान की संभावना है।

पश्चिमी राजस्थान में दिन के साथ अब रात में भी गर्मी बढ़ने लगी है। शनिवार को जयपुर, अलवर, सीकर समेत कई शहरों का तापमान 2 से 5 C तक चढ़ गया। सबसे ज्यादा गर्म बाड़मेर रहा। यहां पारा 39 C तक पहुंच गया। प्रदेश में तापमान 4 C तक बढ़ गया है। कई शहरों में यह 5 से 6 C के बीच है। इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के जिले ज्यादा तप रहे हैं। शनिवार को यहां गर्मी ज्यादा रही। रविवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। प्रदेश में गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। मौसम विभाग ने अगले 15 दिन भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान अधिकतम तापमान में 8C और न्यूनतम तापमान में 6C की बढ़ोतरी होगी। पारा 40C के पार जाएगा। आने वाले दिनों में गर्मी ज्यादा होगी। प्रदेश के कई जिले लू की चपेट में होंगे। 15 अप्रैल तक बारिश की कोई संभावना भी नहीं है। मौसम विभाग ने बताया कि 16 और 17 अप्रैल को भी हल्के बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन मौसम शुष्क ही बना रहेगा। मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 14 अप्रैल तक प्रदेश में मौसम आमतौर पर सूखा रहेगा। रविवार रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिसका असर 13 और 14 अप्रैल को देखने को मिलेगा।

बाइक सवार को रौंदकर भाग रहा था बस ड्राइवर

100 की स्पीड में बस ने पिकअप को उड़ाया,13 मौतें :कटिहार में सड़क पर बिखरीं लाशें

»कटिहार

बिहार के कटिहार में शनिवार देर शाम बस और पिकअप की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं।

मृतकों में 10 महिलाएं, 2 पुरुष और एक बच्ची है। इसमें 11 मृतक पूर्णिया जिले के रहने वाले थे, जबकि दो कटिहार के हैं। हादसे में 32 से ज्यादा घायल हैं।

इनमें 8 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा कटिहार के कोढ़ा ब्लॉक में NH-31 पर हुआ। बस से टक्कर के बाद लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। चश्मदीद ने बताया कि हादसे के वक्त ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। गाड़ी की स्पीड भी 100 से ज्यादा थी। बस ड्राइवर ने पहले एक बाइक को उड़ाया इसके बाद पिकअप से टक्कर हुई।

पिकअप सवार सभी झारखंड से मेला देखकर लौट रहे थे। हादसे के बाद CM ने मृतकों के परिवार को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद का ऐलान किया है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, 'शनिवार देर शाम हम कटिहार के आसपास थे। अचानक से तेज आवाज आई, जैसे बम फटा हो। कुछ भी समझ नहीं आया। सड़क पर लाशें बिछ गईं।

हमारे पिकअप का ड्राइवर स्टीयरिंग में फंस गया। लोगों ने रॉड से स्टीयरिंग सीधी कर उसके शव को बाहर निकाला। बस की स्पीड 100 से ज्यादा थी।

उसने पहले 2 बाइक सवारों को टक्कर मारी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद अनियंत्रित होकर हमारी पिकअप से टकरा गया।

स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसी रेफर किया गया, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है।

सूचना मिलते ही कोढ़ा थाना पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा। रेस्क्यू शुरू किया गया। क्रेन से गाड़ियों को हटाकर सड़क पर जाम खत्म कराया गया।' हादसे के वक्त मौके पर मौजूद इतबारी बासुकी ने बताया, 'बाइक सवार सदानन अपने बेटे के लिए लड़की देखने गए थे। वो पूर्णिया के बड़हरा कोठी से लौट रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हो गया।

दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बस ने उन्हें बहुत बुरी तरह से कुचला। दोनों को कुचलने के बाद ड्राइवर ने पिकअप में टक्कर मार दी। टक्कर होते ही लाशें सड़क पर बिछ गईं।' हादसे में घायल ताला हांसदा ने बताया, 'हमलोग झारखंड से धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर पूर्णिया अपने घर लौट रहे थे। साथ में बेटा, बहू और पोता-पोती भी थे।

कुछ देर में ही हमलोग घर पहुंचने वाले थे। इसी दौरान गेड़ाबारी के पास अचानक तेज आवाज हुई। सभी लोग एक दूसरे पर चढ़ गए। पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सामने देखा कि बस ने जोरदार टक्कर मारी है। हादसे में मेरे बेटे और बहू की मौत हो गई। मुझे सिर में चोट लगी है। मैं ही सभी लोगों लेकर गया था।' स्थानीय लोगों ने बताया कि पिकअप में करीब 22 से 25 लोग सवार थे। ये लोग झारखंड से कठिया मेला धाम घूम कर लौट रहे थे। कुछ लोग बाइक से बरहरा कोठी से लौट रहे थे।

इसी दौरान बस की चपेट में आने से बाइक सवार सदानंद मुर्मू उर्फ राजेश (40) की मौके पर मौत हो गई। इसके बाद बस का ड्राइवर भागने लगा। उसने स्पीड और बढ़ा ली। सामने से पिकअप आ रही थी।

बस ने उसमें टक्कर मार दी। 40 से 50 सेकेंड में ये सब हो गया। इसके पहले वहां सब शांत था। हादसे के बाद लोगों की चीख गूंजने लगी। सड़क के बीचों-बीच बस और पिकअप दोनों गाड़ियां इस तरह टकराई थीं कि पहचानना मुश्किल हो रहा था कि कौन सा हिस्सा किस गाड़ी का है। चारों तरफ चीख-पुकार मची थी।

कुछ लोग सड़क पर पड़े तड़प रहे थे, तो कुछ गाड़ियों के बीच फंसे हुए थे।एक व्यक्ति का हाथ बस के नीचे दबा हुआ था, तो किसी का पैर बुरी तरह कुचल गया था।

कई लोग खून से लथपथ सड़क पर पड़े मदद के लिए कराह रहे थे। बस का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया था। शीशे के टुकड़े, लोहे के मुड़े हुए हिस्से और टूटे सामान सड़क पर बि

पिकअप तो पूरी तरह मलबे में बदल गया था। उसके अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए स्थानीय लोग और पुलिस मिलकर कोशिश कर रहे थे।

BJP ने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया 16-18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहना होगा

महिला आरक्षण के लिए विशेष सत्र; PM ने पत्र लिखा

»नई दिल्ली

BJP ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी।

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

इससे पहल रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए। पीमए मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की

इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है।

खड़गे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी अनुपात में सीटों का आरक्षण होगा। सरकार एक संशोधन बिल के एक संविधान साथ-साथ परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग साधारण बिल भी लाएगी। ताकि नए सिरे से सीटों का निर्धारण हो सके।

नई सीटों का निर्धारण 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जा सकता है। यह कानून राज्यों की विधानसभाओं और दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी लागू किया जाएगा।

उमा भारती के लिए चेन पुलिंग कर पंजाब मेल रोकी :झांसी में 5 मिनट खड़ी रही

रेलवे बोला- ट्रेन समय पर थी, पूर्व CM ने कहा- पहले छूटी

»झांसी

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के लिए रविवार को झांसी में चेन पुलिंग कर पंजाब मेल रोकनी पड़ी। उमा भारती प्लेटफॉर्म पर पहुंचीं तो नई दिल्ली जाने वाली पंजाब मेल रवाना हो चुकी थी। ट्रेन आधा प्लेटफॉर्म छोड़ चुकी थी। उमा के समर्थकों ने तत्काल ट्रेन को रुकवाया। उन्हें ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच A-1 में सवार होना था। लेकिन जब तक ट्रेन रुकी, कोच A-1 यार्ड में पहुंच चुका था। इस कारण वह B-1 कोच में सवार हुईं। चेन पुलिंग के चलते ट्रेन के ब्रेक की एयर रिलीज हो चुकी थी। ट्रेन 5 मिनट तक आधी प्लेटफॉर्म और आधी यार्ड में खड़ी रही। उमा भारती के ट्रेन में सवार होने के बाद गाड़ी को आगे रवाना किया गया। उमा भारती ने कहा- ट्रेन समय से पहले रवाना हो गई थी। यह पूरी घटना रेलवे की अव्यवस्था का नतीजा है। आज जो मेरे साथ हुआ है, वो आए दिन यात्रियों के साथ हो रहा है। मथुरा, झांसी और ललितपुर जैसे स्टेशनों पर अक्सर ऐसी दिक्कतें आती हैं। महिलाएं सामान और बच्चों के साथ प्लेटफार्म पर दौड़ती भागती हैं। बुजुर्गों और दिव्यांगों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। पूर्व सीएम उमा भारती ने दावा किया कि वे रविवार दोपहर 2:18 बजे झांसी रेलवे स्टेशन आ गई थीं। ट्रेन 2:23 बजे की थी।

उमा भारती ने कहा- मैं एस्केलेटर से जा रही थी, लेकिन अफसरों ने ई-कार्ट से जाने के लिए कह दिया। कुछ दूरी चलने पर ई-कार्ट के सामने से एक ट्रेन निकली, इसलिए पांच मिनट तक वहीं खड़े रहना पड़ा। फिर हाथ ठेला निकला। इसके चलते ट्रेन छूट गई। उमा भारती ने घटना के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सोशल मीडिया X पर एक लेटर लिखा है। उमा भारती ने कहा, मैंने पूर्व में मथुरा रेलवे स्टेशन की यात्रियों के प्रति संवेदनहीनता की बात लिखी है। मेरे साथ आज फिर झांसी रेलवे स्टेशन पर चढ़ते हुए एक घटना हो गई जिसमें कोई अपराधी नहीं है, बल्कि स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाओं के निर्माण में व्यावहारिक संवेदनशीलता का अभाव कारण बना है। उमा भारती ने लिखा- झांसी रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी निकलवाए जाएं। मैं झांसी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन आने के पहले आ गई थी और यह ट्रेन निर्धारित समय से पूर्व टाइम पर आ गई और निर्धारित समय से पूर्व प्रस्थान हो गई। मुझे बैटरी गाड़ी में बैठाकर प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 4 नंबर की तरफ ले जाया जा रहा था। इतने में उसी ट्रैक से एक गाड़ी लंबे समय तक गुजरी और हम खड़े रहे।

फिर जब थोड़ा आगे बढ़े तो एक हाथ ठेला ट्रैक में फंसा हुआ था। उसको निकालने में मेरे सुरक्षाकर्मियों ने सहयोग किया फिर जब मैं 4 नंबर प्लेटफार्म पर पहुंची तथा जिस ट्रेन पंजाब मेल में मुझे बैठना था, वह चलती जा रही थी।

उधना पी.आई. आर.एन. ठाकोर का ठाकोर समाज द्वारा सम्मान, भगवद गीता भेंट कर कर्तव्यनिष्ठा को सराहा

»रिपोर्ट दिनेश भाई ठाकोर

सूरत के उधना पुलिस स्टेशन के P.I. श्री R.N. ठाकोर साहेब को ठाकोर समाज के नेताओं ने भगवद गीता भेंट करके सम्मानित किया।

इस मौके पर ठाकोर समाज के प्रेसिडेंट प्रधानजी ठाकोर, वाइस प्रेसिडेंट रमेशभाई ठाकोर और वाइस प्रेसिडेंट परेशभाई ठाकोर के साथ समाज के दूसरे नेता मौजूद थे। उन्होंने साहेब P.I. R.N. ठाकोर साहेब ने उधना इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अहम योगदान दिया है।

उनके काम करने के तरीके में कमिटमेंट और ज़िम्मेदारी साफ़ दिखती है। उन्हें हमेशा एक ऐसे पुलिस ऑफिसर के तौर पर जाना जाता है जो ईमानदारी और निडरता से अपनी ड्यूटी निभाते हैं।

युगांडा आर्मी चीफ ने तुर्किये से सबसे खूबसूरत महिला मांगी कहा- शादी करूंगा, नहीं मिली तो डिप्लोमेटिक रिश्ते तोड़ेंगे

तुर्किश एयरलाइनंस पर भी रोक लगा देंगे

»कम्पाला

युगांडा के आर्मी चीफ और राष्ट्रपति के बेटे मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्किये से 1 अरब डॉलर (9000 करोड़) और देश की 'सबसे खूबसूरत महिला' को अपनी पत्नी बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो तुर्किये से कूटनीतिक संबंध खत्म कर दिए जाएंगे और तुर्किश एयरलाइन पर रोक लगाई जा सकती है।

कैनेरुगाबा ने X पर लिखा कि अगर तुर्किये ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो 30 दिन में संबंध तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो वे भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे। उन्होंने युगांडावासियों को तुर्किये यात्रा से बचने की सलाह दी और इजराइल

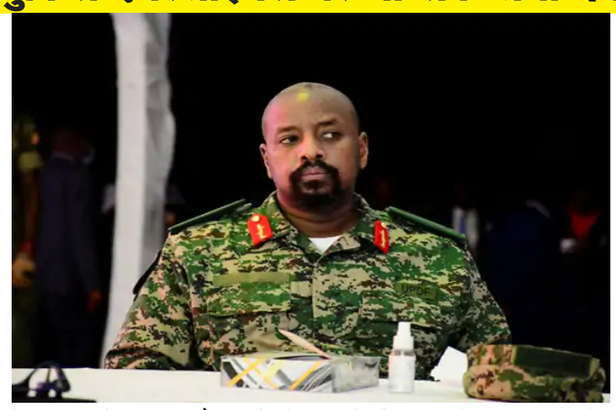

के समर्थन में 1 लाख सैनिक भेजने की पेशकश की। हालांकि, इस पर तुर्किये की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। कैनेरुगाबा ने पोस्ट में तुर्किये पर आरोप लगाया कि उसने सोमालिया में इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स से फायदा उठाया, जबकि युगांडा ने अल-शबाब जैसे आतंकी संगठनों से लड़ने का बोझ उठाया। इसी आधार पर उन्होंने 1 अरब डॉलर की मांग की। हाल ही में भी कैनेरुगाबा ने सोशल मीडिया पर कई विवादित पोस्ट किए हैं। उन्होंने विपक्षी नेता बॉबी वाइन को लेकर सिर काटने जैसी धमकी दी, जिस पर काफी विवाद हुआ। हालांकि बाद में उन्होंने इसे मजाक बताया और माफी मांग ली। इसी बीच, कैनेरुगाबा ने कुछ दिन पहले X अकाउंट हटा दिया था। फिर उन्होंने 'आई एम बैक' लिखकर वापसी की घोषणा की और कहा था कि वे दुनिया को हिला देंगे। वापसी के बाद उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया कि जो भी व्यक्ति सेना जैसी वर्दी में दिखे, उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने एक अमेरिकी राजनयिक को गिरफ्तार करने की धमकी दी, अगर वह उन्हें सलाम नहीं करता।

UAE का 29,000 करोड़ कर्ज चुकाएगा

पाकिस्तान को 46,500 करोड़ की मदद देंगे सऊदी-कतर

»इस्लामाबाद

पाकिस्तान को सऊदी अरब और कतर से 5 अरब डॉलर (लगभग 46,500 करोड़ रुपए) की वित्तीय मदद मिलेगी। यह मदद ऐसे समय में आ रही है, जब देश को इस महीने के अंत तक UAE को 3.5 अरब डॉलर (लगभग 29,000 करोड़ रुपए) चुकाने हैं।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की कमजोर विदेशी मुद्रा स्थिति संभालने के लिए यह मदद अहम मानी जा रही है। UAE ने हाल ही में कर्ज रोलओवर की नीति में बदलाव किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने अप्रैल तक UAE का 3.5 अरब डॉलर का कर्ज चुकाने का फैसला किया।

तय शेड्यूल के मुताबिक 23 अप्रैल तक पाकिस्तान को इस कर्ज की आखरी किस्त देनी है। इसका मतलब कर्ज चुकाने के लिए सिर्फ 11 दिन का समय बाकी है। इसके अलावा, अप्रैल में पाकिस्तान को कुल करीब 4.8 अरब डॉलर चुकाने हैं, जिसमें एक बड़ा बॉन्ड भी शामिल है। IMF ने पाकिस्तान की खराब आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए 3 साल का प्रोग्राम शुरू किया है, जिसके तहत उसे करीब 7 अरब डॉलर की मदद मिलेगी।

इसके बदले IMF ने शर्त रखी है कि पाकिस्तान के बड़े कर्जदाता सऊदी अरब, चीन और UAE अपने कर्ज के पैसे 3 साल तक तक पाकिस्तान में ही रखेंगे, यानी वे पैसा वापस नहीं निकालेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आगे चलकर कतर, UAE की जगह ले सकता है। UAE ने हाल में कर्ज रोलओवर की नीति बदलकर शॉर्ट-टर्म एक्सटेंशन शुरू कर दिया है, जिससे पाकिस्तान पर जल्दी भुगतान का दबाव बढ़ा। इसके बाद पाकिस्तान ने UAE का 3.5 अरब डॉलर यानी करीब 29,000 करोड़ रुपए का कर्ज 11, 17 और 23 अप्रैल को अलग-अलग किस्तों में लौटाने का फैसला लिया। ये फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा पहले ही दूसरे देशों की मदद पर टिका है। ये कर्ज पाकिस्तान को अलग-अलग समय पर मिला था। UAE ने 2018 में 2 अरब डॉलर का लोन दिया था, जिसे बार-बार बढ़ाया गया। 2023 में 1 अरब डॉलर और दिया गया था, ताकि पाकिस्तान IMF की शर्तें पूरी कर सके। साऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच साझेदारी काफी समय से चल रही है। इससे पहले औरंगजेब ने इस्लामाबाद में सऊदी वित्त मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल-जादान से मुलाकात की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की।

ईरान को टोल दिया तो रास्ता नहीं मिलेगा; ईरान बोला- टोल देना ही पड़ेगा

अमेरिका होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगा

»इस्लामाबाद

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अमेरिकी नेवी अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगी।

उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि जो भी जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोका जाएगा और जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है।

ट्रम्प ने कहा कि जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। इससे ईरान की आर्थिक ताकत कम की जाएगी। अमेरिका किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। जरूरत पड़ने पर युद्ध खत्म करने के लिए कार्रवाई करेगा।

इससे पहले ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा था कि यह स्ट्रेट ईरान के कंट्रोल में है। उन्होंने इसे तेहरान की रेड लाइन बताया और कहा कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी करेंसी रियाल में टोल देना होगा।

ईरान और अमेरिका के बीच कल पाकिस्तान में 21 घंटे चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है। ईरान सरकार के एक प्रवक्ता ने तसनीम न्यूज एजेंसी को बताया कि देश में अब तक 942 स्कूलों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से 18 स्कूल पूरी तरह तबाह हो चुके हैं। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि जिन स्कूलों को मरम्मत की जरूरत है, उन्हें 2 से 3 महीने के अंदर ठीक करने की योजना है। ट्रम्प का कहना है कि उनका देश सही समय आने पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई करेगा और वो इसके लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका लॉक्ड एंड लोडेड है, यानी पूरी तरह तैयार है और जब सही समय आएगा तो सेना कार्रवाई कर सकती है। यूरोपीय संघ (EU) ने अमेरिका और ईरान के बीच असफल रही बातचीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मिडिल ईस्ट में शांति के लिए कूटनीति यानी बातचीत सबसे जरूरी है।

EU के विदेश मामलों के प्रवक्ता एनुआर एल अनौनी ने कहा कि वे पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों की सराहना करते हैं। यूरोपीय संघ आगे भी शांति स्थापित करने के प्रयासों में योगदान देता रहेगा। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, दक्षिणी लेबनान में इजराइल के हमलों में आज कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, टायर इलाके में 1 व्यक्ति की मौत हुई, मारूब में 6 लोगों की जान गई और काना में भी 6 लोगों की मौत हुई है। पाकिस्तान में ईरान-अमेरिका के बीच 21 घंटे चली बातचीत बेनतीजा रही। अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा, 'अमेरिका बिना किसी डील के वापस लौट रहा है। ये ईरान के लिए ज्यादा बुरी खबर है। हम उन्हें बेस्ट ऑफर देकर जा रहे हैं। देखना है कि वे मानते हैं या नहीं।'

वहीं ईरान का कहना है कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त हैं। इसलिए समझौता नहीं हो पाया। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। इससे दुनिया के कई देशों और लोगों में डर और परेशानी बढ़ी है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने समुद्र में बारूदी सुरंगें होने की बात कही है, जिससे जहाजों के लिए खतरा पैदा हो गया है। इसी वजह से कोई भी जहाज इस रास्ते से जाने में जोखिम नहीं लेना चाहता।

उन्होंने कहा कि इससे ईरान की इमेज को नुकसान पहुंचा है और अब उसे जल्दी से यह रास्ता खोलना चाहिए।

ट्रम्प ने बताया कि उन्हें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस्लामाबाद बैठक के बारे में पूरी जानकारी दी है। यह बैठक पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ की लीडरशिप में पूरी हुई।

ट्रम्प ने ये भी कहा ये दोनों शानदार इंसान हैं और भारत के साथ होने वाले एक भयानक युद्ध में 3 से 5 करोड़ लोगों की जान बचाने के लिए वे लगातार मेरा आभार व्यक्त करते हैं।

उन्होंने ने साफ कहा कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं देगा।

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा: नए सितारे संग वापसी की चुनौती

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन वाकई चिंताजनक रहा है। पिछले सत्र में, टीम ने यहां खेले गए आठ में से छह मैच हारे थे, जिसमें लगातार पांच हार शामिल थीं। यही वजह थी कि वे पिछले साल अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी, घरेलू मैदान पर उनका पहला मैच निराशाजनक रहा, जहां दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह एलएसजी का इस सत्र में घरेलू मैदान पर दूसरा मैच होगा, और वे यहां अपने जीत के रिकॉर्ड को सुधारने के लिए बेताब होंगे।

एलएसजी के लिए केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जब 21 वर्षीय राजस्थानी बल्लेबाज मुकुल चौधरी एक नए फिनिशर के रूप में उभरे। उन्होंने

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसमें उनके आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट भी शामिल था, जिससे उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया, एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू है, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है।

यह मैच दोपहर में खेला जाएगा, और एकाना की धीमी पिच पर गुजरात के अनुभवी स्पिनरों राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का सामना करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए थे और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एलएसजी को अपनी घरेलू जमीन पर जीत की राह पर लौटने के लिए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज्के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा.

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव किए हैं और अब टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मुझे इस ग्रुप पर पूरा भरोसा है। हालांकि, इस सीजन में हम इसे अभी तक मैदान पर पूरी तरह दिखा नहीं पाए हैं। उन्होंने

यह भी बताया कि फ्रेंचाइजी ने टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल कर एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है।

अक्सर शांत और सौम्य रहने वाले स्टीफन फ्लेमिंग को बखूबी अंदाजा है कि आजकल उनके बारे में क्या बातें हो रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चेन्नई को रिकॉर्ड पांच आईपीएल ट्रॉफियां जिताने का पर्याप्त श्रेय मिला है, तो उन्होंने विनम्रता, लेकिन दृढ़ता से अपनी बात रखी। फ्लेमिंग ने कहा, नहीं, असल में क्रेडिट मेरा नहीं, सिर्फ खिलाड़ियों का है। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए यह सिर्फ कोचिंग का एक और साल है। हमेशा से ऐसा ही रहा है कि खिलाड़ी ही मैदान पर कमाल करते हैं। मैदान के बाहर कोचिंग जरूरी होती है, लेकिन खिताब मैदान पर प्रदर्शन से जीते जाते हैं। फ्लेमिंग ने एमएस धोनी जैसे दुनिया के सबसे महान कप्तानों में से एक के साथ काम करने को अपना सौभाग्य बताया और कहा कि उन्हें अपने नतीजों पर गर्व है, लेकिन वह तारीफ या वाहवाही पाने के भूखे नहीं हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप वैभव सूर्यवंशी को, पर्पल कैप रवि बिश्नोई के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार 10 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में खेले गए इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान राजस्थान ने दो ओवर शेष रहते हुए ही सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। राजस्थान की इस शानदार जीत के सूत्रधार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल रहे, जिन्होंने अपनी ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों से टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मैच के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 26 गेंदों पर 8 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही वैभव ने आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया और टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक चार मैचों में उनके बल्ले से 50 की औसत और 266.67 के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट के साथ कुल 200 रन निकल चुके हैं। वैभव के साथ ध्रुव जुरेल ने भी 43 गेंदों पर 81 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जुरेल की इस पारी ने उन्हें आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में जगह दिलाई। दिलचस्प बात यह है कि अब इस लिस्ट के टॉप-3 में राजस्थान रॉयल्स के ही खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें वैभव सूर्यवंशी (200), यशस्वी जायसवाल (183) और ध्रुव जुरेल (176) शामिल हैं। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी (160) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृश रघुवंशी (155) भी टॉप-5 में शामिल हैं। आरसीबी की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंदों पर सर्वाधिक 63 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 32 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पाटीदार 142 रनों के साथ सातवें और कोहली 129 रनों के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऑरेंज कैप की तरह ही, पर्पल कैप भी इस समय राजस्थान रॉयल्स के नाम है, जिसे युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने नाम किया है। बिश्नोई ने अभी तक चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं और बेंगलुरु के खिलाफ भी उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (MI) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (RCB) से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुकाबले हुए हैं, जिसमें MI 19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुकाबलों में RCB की टीम ने पांच मुकाबले जीते हैं, जबकि MI को सिर्फ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुकाबलों में मेज़बान MI 8-4 से आगे है।

यह मुकाबला ना सिर्फ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। RCB और MI के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने MI के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, RCB के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉश हेज़लवुड, रोहित को सात पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं, हालांकि रोहित का उनके ख़िलाफ़ स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 116 का है। वहीं भुवनेश्वर कुमार भी रोहित को 16 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, जबकि रोहित उन पर 136 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं अगर कोहली की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पांच बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने 17 पारियां ले ली हैं और 149 के स्ट्राइक रेट से रन ख़र्च किए हैं। ट्रेंट बोल्ट तो कोहली को 13 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं। मिचेल सैंटनर और हार्दिक पंड्या ने कोहली को 2-2 बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए क्रमशः नौ और 10 पारियां ली हैं। वहीं दीपक चाहर और शार्दुल

ठाकुर उन्हें सिर्फ़ एक-एक ही बार आउट कर पाए हैं।

डेथ ओवरों (17 से 20) में MIके निचले क्रम का सामना भुवनेश्वर कुमार से हो सकता है। भुवनेश्वर तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को IPL में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। हालांकि चार पारियों में दो बार आउट होने वाले तिलक उन पर 173 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

वहीं दूसरी ओर बुमराह के सामने RCB के लिए MI के पूर्व फ़िनिशर टिम डेविड होंगे। IPL 2025 से डेविड डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और हर तीसरी गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। हालांकि बुमराह इसी दौरान डेथ ओवरों में सिर्फ़ 7.8 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 के स्ट्राइक रेट से छह विकेट झटक चुके हैं। ऐसे में बुमराह बनाम डेविड मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा।

इस मुक़ाबले में दो भाईयों की भिड़ंत भी देखना दिलचस्प होगा। एक समय MI का अहम हिस्सा रहे क्रुणाल पंड्या पिछले साल अपने प्लेयर ऑफ़ द फ़ाइनल के प्रदर्शन से RCB को उनका पहला ख़िताब दिला चुके हैं। क्रुणाल ने MIके ख़िलाफ़ सात पारियों में 72 रन बनाने के साथ-साथ आठ विकेट भी लिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या RCB के ख़िलाफ़ 164 के स्ट्राइक रेट से 18 पारियों में 361 रन बना चुके हैं, साथ ही सात विकेट भी लिया है। हार्दिक ने क्रुणाल की गेंदबाज़ी का पांच पारियों में सामना किया है और उनके ख़िलाफ़ 31 गेंदों में एक बार आउट होते हुए सिर्फ़ 29 रन ही बना पाए हैं।

मुकुल चौधरी एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे : डु प्लेसिस

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी से एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे हैंहै। डु प्लेसिस के अनुसार जिस प्रकार से वह आक्रामक होकर अंतिम ओवरों में खेलता दिखा इससे अंदाज होता है कि वह भविष्य में एक स्टार क्रिकेटर बनकर उभरेगा ।मुकुल ने ईडन गार्डन्स में 27 गेंदों पर ही सात छक्के और दो चौके लगार नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम सुपर जायंट्स को असंभव सी जीत दिला दी। डु प्लेसिस ने कहा, मैच को अंतिम गेंद ले जाने की उनकी समझ जबरदस्त दिखी। इस युवा खिलाड़ी में जबरदस्त ताकत और क्षमता है और उसकी बल्लेबाज का अंदाज देखकर हैरानी होती है । साथ ही कहा कि उसके कुछ स्ट्रोक देखकर मुझे महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआत दिनों का खेल याद आ गया । उसके फ्लिक शॉट्स कमाल के रहे । प्लेसिस ने बताया कि केकेआर टीम को इस बार भाग्य का साथ भी नहीं मिलता दिख रहा है । डु प्लेसिस ने कहा, सीजन में कुछ ऐसे छोटे-छोटे पल आते हैं जो निर्णायक साबित हो सकते हैं, जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो सोचते हैं कि अगर वो पल हमारे पक्ष में गया होता, तो सीजन का नजारा कुछ और ही होता । केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और इस समय कठिन स्थिति में है ।

ऋषभ कप्तान के तौर पर जिम्मेदारी से खेलें : कैफ

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अब जिम्मेदारी से खेलना होगा। कैफ के अनुसार कप्तान होने के नाते उन्हें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी , तभी वह टीम के अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर पायेंगे। कैफ के अनुसार वह अब सीनियर खिलाड़ी हैं और उन्हें कठिन हालातों में अंत तक टिके रहना चाहिये। वह इस सत्र में अभी तक केवल एक मैचम में ही अच्छी पारी खेल पाये हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें अपनी खेल की समझ में सुधार करते हुए लगातार अच्छे परिणामों के लिए जिम्मेदारी से खेलना होगा। सुपरजायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली पर कप्तान केवल केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी असफल रहे। नये बल्लेबाज मुकुल चौधरी के नाबाद 54 रन की सहायता से सुपरजायंट्स ने ये मैच किसी प्राकर से जीता। इस दौरान देखा गया कि कप्तान के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही। कैफ ने कहा, टीम की हालत को देखते हुए उन्हें अंत तक खेलते रहना चाहिये। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, और पिछले एक दशक से खेल रहे हैं। केकेआर के खिलाफ जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति कठिन नहीं थी। उस समय टीम ने पहले पांच ओवरों में ही 40 से अधिक रन बना लिए थे। ऐसे में किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका कप्तान को निभानी चाहिए थी। उन्होंने साथ ही कहा, कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच में जीत नहीं दिला सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच के हालातों के अनुसार और खेलते हुए ये सीखना होगा कि कब कैसी रणनीति अपनाने की जरुरत है। कैफ ने कहा, एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक खेलता रहे।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास: टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर के स्पेल में सिर्फ 14 रन खर्च किए और रोमारियो शेफर्ड का महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया।

मैच की बात करें तो, राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी से मिले 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 6 विकेट से अपने नाम किया। आरसीबी द्वारा निर्धारित 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत

हालांकि खराब रही, जब यशस्वी जायसवाल मात्र 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया। 15 साल के वैभव ने 300 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव के आगे आरसीबी के गेंदबाज बेबस नजर आए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए एक छोर संभाले रखा और नाबाद 81 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले, आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 201 रन बनाए थे। टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। विराट कोहली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 16 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में नाबाद 29 रन और रोमारियो शेफर्ड ने 22 रनों का योगदान दिया। यह इस सीजन में आरसीबी की पहली हार है, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा है।

आईपीएल में खरीददार न मिलने पर राइली रुसो का बड़ा बयान, आईपीएल को बताया फिल्म

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज राइली रुसो ने आईपीएल को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने इस लीग को क्रिकेट कम और फिल्म ज्यादा बताया है, जबकि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की जमकर तारीफ की है। यह बयान तब आया है जब आईपीएल 2026 की नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला और उन्होंने खुद इस साल नीलामी के लिए अपना नाम नहीं भेजा था। रुसो का यह रुख क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर उनके आईपीएल के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए।

राइली रुसो का आईपीएल से रिश्ता पुराना रहा है। उन्होंने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, वह इस लीग में कभी अपनी छाप नहीं छोड़ पाए और उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 4.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स ने उन पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके, खराब प्रदर्शन के चलते पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया, और इसके बाद उन्हें अगले साल की नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिला। अब वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे हैं। रुसो ने आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है, जबकि पीएसएल एक ज्यादा छोटा टूर्नामेंट है, जहाँ मुकाबला कहीं ज्यादा कड़ा होता है। उन्होंने आईपीएल पर तंज कसते हुए कहा, जाहिर है, आईपीएल को पूरे बॉलीवुड का समर्थन हासिल है, इसलिए यह असल क्रिकेट से ज्यादा एक फिल्म जैसा लगता है। यह टिप्पणी आईपीएल के ग्लैमर और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर एक सीधा हमला है। उनके आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें तो, रुसो ने कुल 22 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 23.65 की औसत से 473 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों में कोई शतक शामिल नहीं है, और केवल कुछ ही अर्धशतक हैं, जो दर्शाता है कि वह आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने में संघर्ष करते रहे हैं। एक समय आईपीएल टीमों द्वारा उन पर भारी-भरकम रकम खर्च की जा रही थी, तब उन्हें इस रंगारंग लीग से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जब उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट आई और टीमों ने उनसे दूरी बनाना शुरू कर दी, तो उनका यह बयान सामने आया है, जो उनकी निराशा को उजागर करता है और क्रिकेट जगत में एक नई बहस छेड़ सकता है।

हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 : राजगीर में महिला व पुरुष वर्ग के फाइनल तय

राजगीर । बिहार/ बिहार के राजगीर में चल रही हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुँच गया है। डिवीजन ए में पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले तय हो चुके हैं, जिससे खिताब के लिए रोमांचक जंग की उम्मीद बढ़ गई है। सभी मुकाबले 12 अप्रैल को राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना हॉकी उत्तर प्रदेश से होगा, जबकि महिलाओं के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश की टीम गत चैंपियन हॉकी झारखंड से भिड़ेगी। इन मुख्य मुकाबलों के अतिरिक्त, तीसरे स्थान के लिए भी दिलचस्प मैच खेले जाएंगे। महिलाओं के वर्ग में हॉकी ओड़िशा और हॉकी उत्तर प्रदेश कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, वहीं पुरुषों में दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव हॉकी का मुकाबला हॉकी पंजाब से होगा। सेमीफाइनल मुकाबलों की बात करें तो, पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव को 4-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर, हॉकी उत्तर प्रदेश ने एक कड़े मुकाबले में पिछले साल के चैंपियन पंजाब को 6-2 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला पिछले साल के तीसरे स्थान के मैच का रीमैच भी था, जिसमें यूपी ने जीत दर्ज की थी। इस बार उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी गोल स्कोरिंग में भी आगे रहे हैं, जहाँ शाहरुख अली 14 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने हुए हैं। उनके साथी खिलाड़ी नीतीश यादव ने अपने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से दागे हैं, जबकि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश और झारखंड दोनों ही टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है।

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

वैभव की इस शानदार फॉर्म से प्रभावित होकर, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें टीम इंडिया में डेब्यू का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वैभव जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी, इतनी कम उम्र में, भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। धूमल ने जोर देकर कहा कि ऐसे दुर्लभ मौके को भुनाना चाहिए। धूमल की इस पोस्ट पर प्रशंसकों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कई यूजर्स ने वैभव को अविश्वसनीय टैलेंट करार देते हुए उनके तत्काल डेब्यू की वकालत की।

यह उल्लेखनीय है कि 15 वर्षीय वैभव अब सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने के पात्र हो चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अंडर-19 टीम में भी अपना जलवा दिखाया है, जहां उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की एक शानदार पारी खेली थी। आईपीएल में, वे जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी चुनौती देने से नहीं हिचकिचाते। हाल ही में उन्होंने आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़कर अपनी निर्भीक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सामान्य तौर पर जहां 200 के स्ट्राइक रेट को बेहतरीन माना जाता है, वहीं वैभव ने कई बार 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी देखकर ऐसा लगता है कि वह सिर्फ रिकॉर्ड बनाने नहीं, बल्कि क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी की एक नई परिभाषा गढ़ने आए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वे इस युवा सनसनी को जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका दें।

साड़ी में खुद को भीड़ से अलग तो दिखा ही सकती है

साड़ी ऐसा परंपरागत परिधान है जो भारतीय महिलाओं की खास पसंद है। साड़ी की खासियत यह है कि इसे महिलाएं हर बार नए लुक व नए अंदाज में पहन सकती है। जिससे वे साड़ी में खुद को भीड़ से अलग तो दिखा ही सकती है। साथ ही पार्टी में आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं।

साड़ी को न केवल महिलाएं बल्कि शादी समारोहों सहित अन्य खास मौकों पर कॉलेज गोइंग गर्ल भी पहनती हैं लेकिन साड़ी बांधने का अलग अंदाज आपको भी शादी, पार्टी व अन्य मौकों पर खास बना सकता है। आपका साड़ी बांधने का अंदाज पार्टी में सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। जानिए साड़ी बांधने के कौन-कौन से तरीके आप आजमा सकती हैं।

यह स्टाइल सीजन में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें आपको साड़ी को घुटने के पास से टाइट रखना होता है और नीचे की ओर से घेरा नजर आता है। आप इस स्टाइल को ब्राइट कलर्स के साथ आजमा सकती है ।यदि साड़ी पर फ्लोरल प्रिंट होगा तो वो अलग निखर आएगा और आपको पार्टी में सभी के बीच अलग ही लुक प्रदान करेगा।

लहंगा स्टाइल लुक

इन दिनों लहंगा स्टाइल की साडियों का भी काफी क्रेज दिखाई दे रहा है। अधिकांश शादी समारोह में युवतियां भी इस इस स्टाइल को काफी लाइक कर रहीं हैं। घांघरा स्टाइल के लिए प्लीट्स की मदद से साड़ी को बंधा जाता है। प्लीट्स के जरिए बांधी गई साड़ी आपको लहंगे का लुक प्रदान करती है।

रेट्रो लुक

साड़ी पहनने के परंपरागत स्टाइल को आप जूड़े के साथ मैच करने को रेट्रो लुक कहते हैं। यदि आप पतली हैं तो यह लुक आप पर बहुत अच्छा लगेगा। इस लुक का प्रयोग आप बाजार में आने जाने के लिए भी कर सकते हैं। रेट्रो लुक की साड़ी शादी के अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी पहनी जा सकती है।

ब्लाउज भी नये पैटर्न में

अलग अलग लुक में जहां महिलाओं के बीच साड़ी का क्रेज बड़ा है। साडियों की स्टाइल के साथ ही ब्लाउज के कट पर भी विशेष प्रयोग किए जा सकते हैं। जैसे डीप गला, फुल कवर, फुल आस्तीन जैसी ब्लाउज चलन में हैं।

वॉशिंग मशीन को साफ करने के घरेलू उपाय, इस ट्रिक से क्लीन करेंगे तो नहीं पड़ेगी सर्विस की जरूरत

ज्यादातर घरों में कपड़े धोने के लिए वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। वॉशिंग मशीन कपड़ों को आसानी से साफ कर देती है, लेकिन इस मशीन को भी साफ सफाई की जरूरत पड़ती है। लगातर लंबे समय तक वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल करने से कई बार मशीन अंदर से गंदी हो जाती है। कपड़ों पर जमा मैल, धूल और गंदगी मशीन में फंसने लगती है। खासतौर से फुल ऑटोमैटिक मशीन को समय-समय पर साफ करने की जरूरत पड़ती है। अगर ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन को साफ नहीं किया तो कपड़ों में बदबू आने लगती है और कई बार मशीन में जमा गंदगी कपड़ों पर चिपक जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आसानी से फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन को साफ कर सकते हैं। आपको सर्विस की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन को कैसे साफ करें?

पहला स्टेप-

इसके लिए सबसे पहले मशीन को खोलकर दरवाजे पर लगी रबड़ को बाहर और अंदर से अच्छी तरह साफ कर लें। रबड़ को थोड़ा बाहर की ओर खींचने से उसमें जमा गंदगी आपको दिखने लगेगी। आप इसे किसी स्पंज की मदद से रगड़कर क्लीन कर लें। हार्पिक डालकर मिनटों में इसे क्लीन किया जा सकता है। आप चाहें तो किसी डिटर्जेंट में नींबू और सोडा मिलाकर घोल बना लें इससे भी सफाई की जा सकती है।

दूसरा स्टेप-

अब इसी घोल को आप मशीन के बाहर वाले हिस्सों पर भी लगा दें। अब बाहर भी स्पंज की मदद से रगड़ते हुए वॉशिंग मशीन को क्लीन कर लें। बाहर से मशीन को साफ करने के बाद आप इसके टब की क्लीनिंग कर लें। अगर आपके पास वॉशिंग मशीन क्लीनिंग पाउडर है तो उससे या कोई डिटर्जेंट डालकर टब क्लीनिंग के ऑप्शन पर मशीन को चला दें।

तीसरा स्टेप-

अब वॉशिंग मशीन में नीचे पानी निकालने के लिए लगे फिल्टर को निकालकर सारा पानी निकाल दें। कई बार फिल्टर में गंदा पानी जमा होने लगता है। पाइप को टूथब्रेश की मदद से अच्छी तरह क्लीन कर लें। अब सोडा, लिक्विड सोप और विनेगर का घोल बनाकर वॉशिंग मशीन के बाहर और

अंदर साइड में लगाकर साफ कर लें।

चौथा स्टेप-

अब जहां सर्फ और नील डालते हैं उस ट्रे को निकालकर साफ कर लें। पूरी मशीन को किसी साफ सूखे कपड़े से अच्छी तरह से क्लीन कर लें। सूखे कपड़े से टब को भी साफ कर लें। इस तरह पूरी वॉशिंग मशीन अंदर और बाहर से एकदम साफ हो जाएगी और नई जैसी चमकने लगेगी।

क्या किचन में जूते-चप्पल पहनकर जाते हैं? बिगड़ता है अग्नि और पृथ्वी तत्व का बैलेंस

भारतीय हिंदू घरों में अक्सर किचन में जूते चप्पल पहनकर जाने से मना किया जाता है। यह सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि इसके पीछे धार्मिक और वास्तु से जुड़ी मान्यताएं भी हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई, घर को घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है, क्योंकि यहीं परिवार के लिए भोजन तैयार होता है। इसलिए इस स्थान की शुद्धता और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना बहुत जरूरी माना जाता है। तो आइए इस आर्टिकल के जरिए विस्तार से जानते हैं कि रसोई में जूते पहनना क्यों भारी जानिए पड़ सकता है।

किचन घर का पवित्र स्थान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की रसोई में पूरे जहां परिवार के लिए भोजन तैयार किया जाता है, इसलिए इसका संबंध सीधे स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि रसोई घर में मां अन्नपूर्णा का वास होता है, जिन्हें अन्न और पोषण की देवी माना जाता है। इसी वजह से किचन को साफ सुथरा और पवित्र रखना जरूरी माना जाता है।

किचन में जूते चप्पल पहनना क्यों माना जाता है गलत

जूते-चप्पल बाहर की धूल मिट्टी और नकारात्मक ऊर्जा को अपने साथ लेकर आते हैं। जब कोई व्यक्ति जूते पहनकर किचन में प्रवेश करता है तो यह अशुद्धियां भी किचन में पहुंच जाती हैं। इससे रसोई की पवित्रता प्रभावित होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी कम हो सकता है। इसलिए पारंपरिक रूप से किचन में जूते और चप्पल पहनकर जाने से बचने की सलाह दी जाती है।

घर में बढ़ सकती है नकारात्मकता

वास्तु के अनुसार, किचन में जूते पहनकर जाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है। इससे परिवार के सदस्यों के बीच तनाव या विवाद की स्थिति भी बन सकती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि इससे घर में सुख शांति और समृद्धि पर असर पड़ सकता है और लक्ष्मी के आगमन में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

अग्नि और पृथ्वी तत्व का संतुलन

वास्तु शास्त्र में किचन का संबंध अग्नि तत्व से माना जाता है। वहीं, जूते चप्पल पृथ्वी तत्व और भारी ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। जब जूते पहनकर किचन में प्रवेश किया जाता है, तो अग्नि और पृथ्वी तत्व के बीच संतुलन बिगड़ सकता है। माना जाता है कि इससे जीवन में बाधाएं, तनाव या संसाधनों की कमी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

आर्थिक-पारिवारिक समस्याओं की आशंका

किचन घर का ऐसा स्थान है जो पूरे परिवार की समृद्धि से जुड़ा होता है। इस स्थान की पवित्रता का ध्यान नहीं रखा जाता तो घर में आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं। साथ ही परिवार के सदस्यों के बीच आपसी मतभेद और मानसिक तनाव भी बढ़ने की आशंका रहती है। इसलिए रसोई घर की स्वच्छता बनाए रखना बहुत जरूरी माना जाता है।

नियमित रुप से करायें दांतों की जांच

भारत में दांतों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन से संकेत मिलता है कि लगभग 95 प्रतिशत भारतीयों में मसूड़ों की बीमारी है, 50 प्रतिशत लोग टूथब्रश का उपयोग नहीं करते और 15 वर्ष से कम उम्र के 70 प्रतिशत बच्चों के दांत खराब हो चुके हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अनुसार, भारतीय लोग नियमित रूप से दंत चिकित्सक के पास जाने की बजाय, कुछ खाद्य और पेय पदार्थों का परहेज करके स्वयं-उपचार को प्राथमिकता देते हैं। दांतों की सेंस्टिविटी एक और बड़ी समस्या है, क्योंकि इस समस्या वाले मुश्किल से चार प्रतिशत लोग ही दंत चिकित्सक के पास परामर्श के लिए जाते हैं।

तनाव का दांतों की सेहत पर बुरा प्रभाव

आईएमए के विशेषज्ञों के अनुसार, तनाव का दांतों की सेहत पर बुरा असर होता है1 तनाव के चलते कई लोग मदिरापान और धूम्रपान शुरू कर देते हैं, जिसका आगे चलकर दांतों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। जागरुकता की कमी के चलते ग्रामीण इलाकों में दांतों की समस्या अधिक मिलती है। शहरों में जंक फूड और जीवनशैली की अन्य कुछ गलत आदतों के कारण दांतों में समस्याएं पैदा हो जाती हैं। प्रसंस्कृत भोजन में चीनी अधिक होने से भी नई पीढ़ी में विशेष रूप से दांत प्रभावित हो रहे हैं।

रक्तस्राव को न करें नजरअंदाज

दांतों में थोड़ी सी भी परेशानी को अनदेखी नहीं करनी चाहिए और जितनी जल्दी हो सके, दंत चिकित्सक से मिलना चाहिये। दांत दर्द, मसूड़ों से रक्तस्राव और दांतों में सेंस्टिविटी को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। वयस्कों के अलावा, दांतों की समस्याएं बच्चों में भी आम होती है। दूध की बोतल का प्रयोग करने वाले शिशुओं के आगे के चार दूध के दांत अक्सर खराब हो जाते हैं।

दूध की बोतल भी है नुकसानदेह

दूध की बोतल से भी बच्चों के दांत खराब हो सकते हैं। इसलिए माताओं को हर फीड के बाद एक साफ कपड़े से शिशुओं के मसूड़े और दांत पोंछने चाहिए। अगर अनदेखा छोड़ दिया जाए तो दंत संक्रमण से हृदय संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

दांतों की देखभाल के उपाय

दो बार ब्रश करें।

फ्लॉसिंग उन दरारों को साफ करने में मदद करता है जहां ब्रश नहीं पहुंच पाता है।

बहुत अधिक चीनी खाने से बचें। स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ भी दांतों के क्षय का कारण बन सकते हैं, क्योंकि चीनी लार में जीवाणुओं के साथ प्रतिक्रिया करके एसिड बनाती है जो दांतों के इनेमल को नष्ट कर देता है।

जीभ को भी रखें साफ

किसी भी असामान्य संकेत की उपेक्षा न करें। यदि मसूड़ों में सूजन हो या खून आ जाए तो दंत चिकित्सक से परामर्श करें।

दांतों की जांच हर छह महीने में कराएं। दांतों की सफाई और एक वर्ष में दो बार जांच-पड़ताल आवश्यक है।

दवाइयों से बचने के लिए लोग कर रहे हैं फिजियोथेरेपी की ओर रुख

फिजियोथेरेपी का चलन आजकल बढ़ता जा रहा है। कई प्रकार की बीमारियों का उपचार इससे हो रहा है। घुटनों, पीठ या कमर में दर्द जैसे कई रोगों से बचने या निपटने के लिए बिना दवा खाए फिजियोथेरेपी के जरिये असरदार इलाज कराया जा सकता है।मौजूदा समय में अधिकांश लोग दवाइयों से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि यह न केवल कम खर्चीला होता है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव की आशंका न के बराबर होती है।

मांसपेशियों को सक्रिय करने का तरीका है फिजियोथेरेपी

प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा व्यायाम के जरिए शरीर की मांसपेशियों को सही अनुपात में सक्रिय करने की विधा फिजियोथेरेपी कहलाती है। इसे हिंदी में भौतिक चिकित्सा पद्धति कहा जाता है। घंटों लगातार कुर्सी पर वक्त बिताने, गलत मुद्रा में बैठने और व्यायाम या खेल के दौरान अंदरूनी खिंचाव या जख्मों की हीलिंग के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सेवा लेने की सलाह खुद चिकित्सक भी देते हैं!

विशेजषज्ञों का कहना है कि सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि केवल रोगी ही नहीं, बल्कि स्वस्थ्य लोग भी ठीक रहने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह ले सकते हैं। मौजूदा समय में फिजियोथेरेपी काफी लोकप्रिय हुई है। इसकी लोकप्रियता और भरोसे का कारण यह भी है कि बाकी इलाज पद्धतियों से अलग फिजियोथेरेपी उच्च पेशेवर लोग ही करते हैं। अस्थमा और फ्रैक्चर पीड़ितों के अतिरिक्त गर्भवतियों को भी फिजियोथेरेपी की सलाह दी जाती है। लगभग देश के हर बड़े अस्पताल में फिजियोथेरेपी की जाती है। वहीं, बुजुर्गों, मरीजों और कामकाजी लोगों के लिए घर तक फिजियोथेरेपी की सेवा पहुंचाने का भी चलन बढ़ा है। इसकी खास बात है कि फिजियोथेरेपिस्ट मरीज पर व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देता है जो किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में संभव नहीं है।

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR